



Prepared by: Suman Yadav

LESSON- वसंत और व्याकरण

Prepared Date - 30/09/2024

प्रश्न १ अ) अपठित गद्यांश पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

संसार में शांति, व्यवस्था और सद्भावना के प्रसार के लिए बुद्ध, ईसा मसीह, मुहम्मद चैतन्य, नानक आदि महापुरुषों ने धर्म के माध्यम से मनुष्य को परम कल्याण के पथ का निर्देश किया, किंतु बाद में यही धर्म मनुष्य के हाथ में एक अस्त बन गया। धर्म के नाम पर पृथ्वी पर जितना रक्तपात हुआ उतना और किसी कारण से नहीं। पर धीरे-धीरे मनुष्य अपनी शुभ बुधि से धर्म के कारण होने वाले अनर्थ को समझने लग गया है। भौगोलिक सीमा और धार्मिक विश्वासजनित भेदभाव अब धरती से मिटते जा रहे हैं। विज्ञान की प्रगति तथा संचार के साधनों में वृद्धि के कारण देशों की दूरियाँ कम हो गई हैं। इसके कारण मानव-मानव में घृणा, ईर्ष्या, वैमनस्य कटुता में कमी नहीं आई। मानवीय मूल्यों के महत्त्व के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने का एकमात्र साधन है शिक्षा का व्यापक प्रसार।

प्रश्न

(क) मनुष्य अधर्म के कारण होने वाले अनर्थ को कैसे समझने लगा है?

- (i) संतों के अनुभव से। (ii) वर्ण भेद से
(iii) घृणा, ईर्ष्या, वैमनस्य, कटुता से। (iv) अपनी शुभ बुधि से

(ख) विज्ञान की प्रगति और संचार के साधनों की वृद्धि का परिणाम क्या हुआ है?

- (i) देशों में भिन्नता बढ़ी है। (ii) देशों में वैमनस्यता बढ़ी है।
(iii) देशों की दूरियाँ कम हुई हैं। (iv) देशों में विदेशी व्यापार बढ़ा है।

(ग) देश में आज भी कौन-सी समस्या है?

- (i) नफ़रत की। (ii) वर्ण-भेद की
(iii) सांप्रदायिकता की। (iv) अमीरी-गरीबी की

(घ) किस कारण से देश में मानव के बीच, घृणा, ईर्ष्या, वैमनस्यता एवं कटुता में कमी नहीं आई है?

- (i) नफ़रत से। (ii) सांप्रदायिकता से
(iii) अमीरी गरीबी के कारण। (iv) वर्ण-भेद के कारण

(ङ) मानवीय मूल्यों के महत्त्व के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने का एकमात्र साधन है

- (i) शिक्षा का व्यापक प्रसार। (ii) धर्म का व्यापक प्रसार
(iii) प्रेम और सद्भावना का व्यापक प्रसार। (iv) उपर्युक्त सभी

प्रश्न १ ब) अपठित गद्यांश पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

संघर्ष के मार्ग में अकेला ही चलना पड़ता है। कोई बाहरी शक्ति आपकी सहायता नहीं करती है। परिश्रम, दृढ़ इच्छा शक्ति व लगन आदि मानवीय गुण व्यक्ति को संघर्ष करने और जीवन में सफलता प्राप्त करने का मार्ग प्रशस्त करते हैं। दो महत्त्वपूर्ण तथ्य स्मरणीय है – प्रत्येक समस्या अपने साथ संघर्ष लेकर आती है। प्रत्येक संघर्ष के गर्भ में विजय निहित रहती है। एक अध्यापक छोड़ने वाले अपने छात्रों को यह संदेश दिया था – तुम्हें जीवन में सफल होने के लिए समस्याओं से संघर्ष करने को अभ्यास करना होगा। हम कोई भी कार्य करें, सर्वोच्च शिखर पर पहुँचने का संकल्प लेकर चलें। सफलता हमें कभी निराश नहीं करेगी। समस्त ग्रंथों और महापुरुषों के अनुभवों को निष्कर्ष यह है कि संघर्ष से डरना अथवा उससे विमुख होना अहितकर है, मानव धर्म के प्रतिकूल है और अपने विकास को अनावश्यक रूप से बाधित करना है। आप जागिए, उठिए दृढ़-संकल्प और उत्साह एवं साहस के साथ संघर्ष रूपी विजय रथ पर चढ़िए और अपने जीवन के विकास की बाधाओं रूपी शत्रुओं पर विजय प्राप्त कीजिए।

प्रश्न

(क) मनुष्य को संघर्ष करने और जीवन में सफलता प्राप्त करने का मार्ग प्रशस्त करते हैं-

- | | |
|---------------------------------------|--------------------------------------|
| (i) निर्भीकता, साहस, परिश्रम। | (ii) परिश्रम, लगन, आत्मविश्वास |
| (iii) साहस, दृढ़ इच्छाशक्ति, परिश्रम। | (iv) परिश्रम, दृढ़ इच्छा शक्ति व लगन |

(ख) प्रत्येक समस्या अपने साथ लेकर आती है-

- | | |
|------------------|------------------|
| (i) संघर्ष। | (ii) कठिनाइयाँ |
| (iii) चुनौतियाँ। | (iv) सुखद परिणाम |

(ग) समस्त ग्रंथों और अनुभवों का निष्कर्ष है

- | | |
|---|--------------------------------|
| (i) संघर्ष से डरना या विमुख होना अहितकर है। | (ii) मानव-धर्म के प्रतिकूल है। |
| (iii) अपने विकास को बाधित करना है। | (iv) उपर्युक्त सभी |

(घ) 'मानवीय' शब्द में मूल शब्द और प्रत्यय है

- | | |
|------------------|----------------|
| (i) मानवी + य | (ii) मानव + ईय |
| (iii) मानव + नीय | (iv) मानव + इय |

(ङ) संघर्ष रूपी विजय रथ पर चढ़ने के लिए आवश्यक है-

- | | |
|---|---|
| (i) दृढ़ संकल्प, निडरता और धैर्य। | (ii) दृढ़ संकल्प, उत्साह एवं साहस |
| (iii) दृढ़ संकल्प, आत्मविश्वास और साहस। | (iv) दृढ़ संकल्प, उत्तम चरित्र एवं साहस |

प्रश्न २) निम्नलिखित प्रश्नों के सही उत्तर लिखिए ।

१) पत्र लिखना भाषा का कौन सा रूप है ?

- | | | | |
|----------|----------|-------------|----------------------|
| क) मौखिक | ख) लिखित | ग) सांकेतिक | घ) इनमें से कोई नहीं |
|----------|----------|-------------|----------------------|

२) 'दशानन' शब्द में कौन - सा समास होगा?

- | | | | |
|-------------------|------------------|-------------------|------------------|
| क) बहुव्रीहि समास | ख) कर्मधारय समास | ग) अव्ययीभाव समास | घ) तत्पुरुष समास |
|-------------------|------------------|-------------------|------------------|

३) आजीवन में कौन सा समास होगा ?

- क) बहुव्रीहि समास ख) कर्मधारय समास ग) अव्ययीभाव समास घ) तत्पुरुष समास
- ४) पेड़ से पत्ते गिरते हैं। - रेखांकित शब्दों में कौन - सा कारक है?
- क) संप्रदान कारक ख) अधिकरण कारक ग) अपादान कारक घ) करण कारक
- ५) वचन के कितने भेद होते हैं ?
- क) तीन ख) दो ग) पाँच घ) सात
- ६) निम्न में से संप्रदान कारक की विभक्ति कौन सी है ?
- क) में, पर ख) के लिए ग) को घ) ने
- ७) 'पंक्ति' शब्द का बहुवचन रूप क्या है ?
- क) पंक्तियाँ ख) पंक्ति ग) पंक्तियाँ घ) इनमें से कोई नहीं।
- ८) कर्ण ----- शब्द है -
- क) तत्सम ख) तद्भव ग) देशज घ) विदेशज
- ९) 'महोदय' शब्द का स्त्रीलिंग बताइए-
- क) महोदय ख) महोदया ग) महोदई घ) इनमें से कोई नहीं
- १०) पराजय शब्द में उपसर्ग है —
- क) परा ख) प्र ग) जय घ) इनमें से कोई नहीं

प्रश्न ३) अ) दिए गए गद्यांश के प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

तब भी बरसात की रातों से तो ये रातें कहीं अच्छी हैं, पेड़ राजा! बरसात की रातों में तो रात भर भीगते रहो, बादलों से आने वाले पानी की मार खाते रहो, तेज हवाओं में भी बल्ब को कसकर पकड़े बराबर एक टाँग पर खड़े रहो—बिल्कुल अच्छा नहीं लगता। उस वक्त लगता है, इससे तो अच्छा था न होता बिजली के खंभे का जन्म! बल्ब फेंक, तब दूर कहीं भाग जाने का जी होता है।

- १) खंभे को क्या अच्छा नहीं लगता था?
- क) पानी की मार खाते रहना ख) एक टाँग पर खड़े रहना ग) दोनों घ) इनमें से कोई नहीं
- २) खंभे का क्या जी चाहता था?
- क) पास में रहने का ख) दूर कहीं भाग जाने का ग) खड़े रहने का घ) इनमें से कोई नहीं
- ३) उपयुक्त गद्यांश किस पाठ से लिया गया है?
- क) मिठाई वाला ख) शाम एक किसान ग) पापा खो गए घ) इनमें से कोई नहीं
- ४) बरसात के बारे में खंभा किससे बात कर रहा है?
- क) पेड़ से ख) लेटर बॉक्स से ग) पोस्टर में नाचने वाली लड़की से घ) इनमें से कोई नहीं
- ५) खंभे को किस ऋतु की रातें अच्छी नहीं लगती?
- क) ग्रीष्म ख) शरद ग) शीत घ) इनमें से कोई नहीं

प्रश्न ३) आ) निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

कहि रहीम संपति सगे, बनत बहुत बहु रीत।
बिपति कसौटी जे कसे तेई साँचे मीत ॥
जाल परे जल जात बहि, तजि मीनन को मोह।
रहिमन मछरी नीर को, तऊ न छाँड़ति छोह ॥

(१) पानी का मोह कौन नहीं छोड़ता ?

क) गरीब ख) अमीर ग) मछली घ) इनमें से कोई नहीं

(२) रहीम के अनुसार सच्चा मित्र कौन है?

क) जो विपत्ति में साथ देता है ख) जो विपत्ति में साथ नहीं देता है ग) जो अमीर है घ) इनमें से कोई नहीं

(३) जल से अलग होने पर मछली की क्या दशा होती है?

क) प्राण त्याग देती है ख) जल त्याग देती है ग) प्यासी रहती है घ) इनमें से कोई नहीं

(४) जाल पड़ने पर कौन बाहर निकल जाता है?

क) मछली ख) जल ग) मित्र घ) इनमें से कोई नहीं

(५) मीनन का क्या अर्थ है ?

क) जल ख) मछली ग) वर्षा घ) इनमें से कोई नहीं

प्रश्न - ४) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर लिखिए ।

१) यासुकी -चान को किसने अपने पेड़ पर आमंत्रित किया ?

क) रॉकी ख) तोत्तो-चान ग) रॉकी और तोत्तो-चान दोनों ने घ) इनमें से कोई नहीं

२) मिठाईवाला मिठाई बेचने आया ।

क) दो महीने बाद ख) तीन महीने बाद ग) छह महीने बाद घ) इनमें से कोई नहीं

३) लेखक किस नदी के किनारे बैठा था?

क) सिंधु ख) ब्रह्मपुत्र ग) झेलम घ) इनमें से कोई नहीं

४) कठपुतली का जीवन कैसा था ?

क) धागे में बँधी ख) स्वतंत्रता का ग) परतंत्रता का घ) इनमें से कोई नहीं

खंड - ब

प्रश्न - ५) दिए गए प्रश्नों के उत्तर २ -३ वाक्यों में लिखिए -

(क) भाव स्पष्ट कीजिए-

इन्हें तोड़ दो ;

मुझे मेरे पाँवों पर छोड़ दो ।

(ख) लेखक नागार्जुन नदियों को किन रूपों में देखते हैं ?

(ग) कठपुतली को क्यों गुस्सा आया ?

(घ) तोत्तो-चान किस उद्देश्य से घर से निकली थी?

प्रश्न ६) दिए गए प्रश्नों के उत्तर ४ -५ वाक्यों में लिखिए -

(क) पेड़ और खंभे में दोस्ती कैसे हुई?

(ख) कठपुतली को अपने पाँवों पर खड़ी होने की इच्छा है, लेकिन वह क्यों नहीं खड़ी होती?

(ग) खिलौने वाले को देखकर सभी बच्चों की क्या प्रतिक्रिया होती थी?

घ) पेड़ पर बैठे -बैठे यासुकी -चान और तोत्तो-चान क्या करते रहे ?

खंड - क

प्रश्न ७) १) पिता- पुत्र के बीच संवाद लिखिए।

२) पर्यावरण समस्या पर दो युवकों के बीच संवाद लिखिए ।

३) दो मित्रों के बीच दूरदर्शन के कार्यक्रमों के संबंध में संवाद लिखिए।

प्रश्न ८) क) रसोई घर में खाना बनाने हेतु बावर्ची चाहिए विज्ञापन तैयार कीजिए ।

ख) प्राकृतिक जड़ी बूटियां से तैयार साबुन का विज्ञापन तैयार कीजिए।

ग) कम शुगर की आइसक्रीम का आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए।

SUB TEACHER

HOD

CO-ORDINATOR

PRINCIPAL